



This is a digitally signed Gazette, to verify click here.

<http://rajpatrahimachal.nic.in>

# राजपत्र, हिमाचल प्रदेश

## हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

---

वीरवार, 25 अगस्त, 2022 / 03 भाद्रपद, 1944

---

हिमाचल प्रदेश सरकार

पर्यावरण, विज्ञान एवम् प्रौद्योगिकी विभाग

अधिसूचना

शिमला—171 002, 18 अगस्त, 2022

संख्या: एस टी ई-ए(3)-1/2004-लूज.—हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश जैवविविधता नियम, 2019 के नियम 17 के साथ पठित जैव विविधता अधिनियम, 2002 (2003 का अधिनियम संख्यांक 18)

की धारा 37 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, स्थानीय निकायों के परामर्श से, जैव विविधता विरासतीय स्थलों के रूप में जैव विविधता महत्व के निम्नलिखित क्षेत्रों को अधिसूचित करते हैं:—

- (i) सुराल भटोरी, ब्लॉक पांगी, जिला चंबा;
  - (ii) हुडान भटोरी, ब्लॉक पांगी, जिला चंबा; और
  - (iii) नैन गाहर, ग्राम पंचायत मूरिंग, उप-तहसील उदयपुर, जिला लाहौल एवं स्पिति।
2. यह अधिसूचना उपर्युक्त क्षेत्रों में निम्नलिखित रीति में लागू होगी:—
- (i) सुराल भटोरी मठ, ब्लॉक पांगी, जिला चंबा में पवित्र कुंज;
  - (ii) महाल धार शिंकल, ग्राम पंचायत हुडान भटोरी, ब्लॉक पांगी, जिला चंबा में उच्च ऊँचाई वाला घास का मैदान, दोनों पांगी मण्डल में।
  - (iii) लाहौल वन मण्डल में नैन गाहर ग्राम, ग्राम पंचायत मूरिंग, उप-तहसील उदयपुर, जिला लाहौल एवं स्पिति में वर्च-पाईन वन भूखण्ड (पटिका)।
3. जैव विविधता विरासतीय स्थलों (बी.एच.एस.) के रूप में घोषित किए जाने के लिए स्थलों के व्यौरे:—

### 3.1 सुराल भटोरी मठ में पवित्र कुंज

#### 3.1.1 आच्छादित क्षेत्र

क्षेत्र की विशिष्टियां	भू-स्वामित्व	खसरा नम्बर और क्षेत्र (बीघा में)
सुराल भटोरी राजस्व ग्राम, तहसील पांगी, जिला चंबा के अंतर्गत, मुख्य प्रजातियों के रूप में भोजपत्र (बेतुला युटिलिस) के साथ बिखरे हुए सैलिक्स प्रजाति के वृक्षों वाला पवित्र कुंज।	स्वामी: हिमाचल प्रदेश सरकार। नियंत्रणाधीन: मठ	खसरा नम्बर 291 (क्षेत्रफल नम्बर 07-15-00)
		कुल . . 07-15-00

3.1.2 ग्लोबल पोजीशनिंग सिस्टम (जी पी एस) निर्देशांक:  $33^{\circ}08'48.16''$  उत्तर अक्षांश और  $76^{\circ}27'49.74''$  पूर्वी देशांतर।

#### 3.1.3 ऊँचाई: मध्य समुद्र तल से लगभग 3400 मीटर ऊपर

3.1.4 अद्वितीयता / विलक्षणता: कुछ छितरे (बिखरे) हुए विल्लो वृक्षों सहित बेतुला युटिलिस या भोजपत्र वृक्षों का भूखण्ड। प्रमुख झाड़ियाँ और जड़ी-बूटियाँ: रोजा स्पेसीज़, लोनिसिरा स्पेसीज़, सोर्बस स्पेसीज़, एग्रोपाईरोन लोंगीएरीस्टेटम, फेस्टयूका स्पेसीज़, प्रीमुला डेटीक्युला, पॉलिगेनिटम वट्रीसिलिएटम, प्लॉटोंगो एसियाटीका, हेराकिलयम केंडीकेनज, बरबेरीज़ स्पेसीज़, आर्टिमिसिया स्पेसीज़, बुनियम परसीकम इत्यादि।

आसपास के क्षेत्र में मुख्य प्राणी जातियाँ: बर्फनी तेंदुआ, भूरा भालू, तिब्बतियन लोमड़ी, जंगली बकरी (आईबैक्स) आदि।

### 3.2. हुडान भटोरी में उच्च ऊँचाई वाला घास का मैदान

#### 3.2.1 आच्छादित क्षेत्रफल

क्षेत्र की विशिष्टियां	भू-स्वामित्व	खसरा नम्बर और क्षेत्रफल (बीघा में)
महाल धार शिंकल, ग्राम पंचायत हुडान भटोरी, तहसील पांगी, जिला चंबा के अंतर्गत रोडोड्रेण्डन कैप्पेन्यूलेटम, ज्यूरीनिया मैक्रोसिफालिया ईत्यादि की उपज सहित बेटुला पोषक उच्च ऊँचाई वाला घास का मैदान।	स्वामी: हिमाचल प्रदेश सरकार। नियंत्रणाधीन: हिमाचल प्रदेश सरकार।	खसरा नम्बर 15/9/1 क्षेत्रफल 108—00—00
कुल . . 108—00—00		

3.2.2 ग्लोबल पोजीशनिंग सिस्टम (जी.पी.एस.) निर्देशांक:  $33^{\circ}06'17.67''$  उत्तरी अक्षांश और  $76^{\circ}30'18.43''$  पूर्वी देशांतर।

#### 3.2.3 ऊँचाई: मध्य समुद्र तल से लगभग 3850 मीटर ऊपर

3.2.4 अद्वितीयता / विलक्षणता: कोटोनियस्टर स्पेसीज़, लोनिसिरा स्पेसीज़, सोर्बस स्पेसीज़, ब्रैकिपॉडियम सिलवेक्टीकम, ब्रोमस एसपर, फेसट्यूका स्पेसीज़, पो स्पेसीज़, प्रीमूला डेंटीक्यूलाटा, पीक्रोरहाइज़ा कुरुआ, एनीमोन स्पेसीज़, आइरिस स्पेसीज़, आर्टमिसिया स्पेसीज़, लोनिसिरा स्पेसीज़, बनियम पर्सीकम, ज्यूरीनिया मैक्रोसिफाला आदि।

क्षेत्र में पाई गई महत्वपूर्ण पुष्प प्रजातियाँ: पिकरोरिजा कुरुआ, डेकटीलोरिजा हेटाजीरीया, एकोनिटम हीटरोफाइलम, पोडोफाइलम हेक्सांड्रम और सोसुरिया कोस्टस (उगाई गई)। क्षेत्र में मुख्य प्राणीजात प्रजातियाँ: बर्फनी तेंदुआ, भूरा भालू, काला भालू, तिब्बतियन लोमड़ी, हिमालयन मैलमूसक (मारमोट), जंगली बकरी (आईबैक्स) और रॉयलज पिका।

3.3 ग्राम पंचायत मूरिंग के नैन गा भू-स्वामित्व भू-स्वामित्व गाहर गाँव और उप-तहसील उदयपुर, लाहोल एवं स्थिति में वन भूखण्ड।

#### 3.3.1 आच्छादित क्षेत्र:

क्षेत्र की विशिष्टियां	भू-स्वामित्व	खसरा नम्बर और क्षेत्रफल (बीघों में)
नैन गाहर गाँव के नदी के बाएँ किनारे पर स्थित बर्च पाईन वन खंड।	स्वामी: हिमाचल प्रदेश सरकार। नियंत्रणाधीन: स्थानीय समुदाय	राजस्व विभाग द्वारा कोई बंदोबस्त नहीं।
कुल . . 151 बीघा		

3.3.2 ग्लोबल पोजीशनिंग सिस्टम (जी पी एस) निर्देशांक:  $32^{\circ}43'46''$  उत्तरी अक्षांश और  $76^{\circ}51'09''$  पूर्वी देशांतर।

### 3.3.3 ऊंचाई: मध्य समुद्र तल से लगभग 3400 से 3653 मीटर ऊपर

3.3.4 अद्वितीयता / विलक्षणता: मुख्य वृक्ष हिमालयी बर्च (भूर्ज) (बेटूला युटिलिस) और ब्लू (नीला) पाइन (पाइनस वालिचियाना) हैं। प्रस्तावित भूखंड में पश्चिमी हिमालयी स्प्रूस (पिसिया स्मिथियाना), देवदार (सीड्रस देवदारा) और जुनिपर (जुनिपरस स्पेसीज) के कुछ मध्य आयु वर्ग के वृक्ष छितरे (बिखरे) हुए हैं। इसके अतिरिक्त विलो (सैलिक्स स्पेसीज) और सी वकथार्न (हिप्पोफा सैलिसिफोलिया) भी स्थल पर विद्यमान हैं।

प्रस्तावित घास का मैदान वाले क्षेत्र का एक बहुत अच्छा भूखंड भी सम्मिलित हैं, जो महत्वपूर्ण औषधीय और सुगन्धित पौधों जैसे प्रिकोरिजा, कुरुआ, डेक्टलोरिजा हाटाजिरिया एकोनिटम हेटरोफिलम, पाडोफिलम हेक्सोइम, एकोनिटम बायलेसियम, बनियम पर्सीकम, हिप्पोफा रहमनाईडिजज आदि अधिक संख्या का पोषण करता है।

वर्ष के उपयुक्त मौसम (ऋतु) में मुख्य प्राणिजात प्रजातियों जैसे बर्फानी तेच्चुआ, हिमालयन भूरा भालू एसियाटिक काला भालू, हिमालयन लाल लोमड़ी, एसियन जंगली बकरी (आईबैक्स), हिमालयन कस्तुरा मृग और रॉयलज पिका की विद्यमानता के अप्रत्यक्ष साक्ष्य मिलते हैं। क्षेत्र में विलुप्त हो रही पक्षी प्रजातियों, हिमालयन ग्रिफन (जिप्स हिमालयनिसि) और बियर्ड वल्वर (जिपेटस बारबेटस) की रिपोर्ट (सूचना) भी प्राप्त हुई हैं।

ट्रेवर, 2019 (अप्रकाशित) के अनुसार नैन गाहर के भोजपत्र वन भूखंड, कश्मीर प्रकृति और हिमालयन प्रकृति की पक्षी प्रजातियों के विस्तार क्षेत्र का मिलन स्थल प्रतीत होता है, जहाँ कम से कम दो पक्षी प्रजातियां, जैसे कि हरा बार्बलर (फाइलोस्कोप्स ट्रोकिलोइड्स विरीडेनस और फाइलोस्कोप्स ट्रोकिलोइड्स प्लंबीटारसस) और वेरीगेटिड लाफिंग थ्रश (ट्रोकलोट्रैन वैरीगेटम) के विस्तार का हाइब्रिड क्षेत्र है।

4. इन जैव विविधता विरासत स्थलों (बीएचएसज) का प्रबंधन, निम्नलिखित प्रबंधन योजना (प्लान) के अनुसार, सम्बद्ध जैव विविधता प्रबंधन समिति के सदस्यों, संबंधित ग्राम पंचायत, संयुक्त वन प्रबंधन समिति (जे एफ एम सी), प्रजा, महिला मंडलों और पण्धारी विभागों से समाविष्ट (सम्बद्ध जैव विविधता प्रबंधन समिति द्वारा यथा प्रस्तावित), जैव विविधता विरासतीय स्थल दल द्वारा किया जायेगा:

- (i) जैव विविधता विरासतीय स्थल में आगामी पांच वर्ष के लिए पशुओं, भेड़ों, बकरियों आदि के चराने पर पूर्ण प्रतिबन्ध।
- (ii) आगामी पांच वर्ष के लिए वृक्षों के गिरान (कटान) और इमारती लकड़ी निकालने पर पूर्ण प्रतिबंध।
- (iii) आगामी पांच वर्ष के लिए जैव विविधता विरासतीय स्थल से किसी प्रकार के औषधीय और सुगन्धित पौधे निकालने पर पूर्ण प्रतिबंध।
- (iv) स्थलों के प्रबन्धन में स्थानीय लोगों के अधिकारों और विशेषाधिकारों को अच्छी तरह से ध्यान में रखा जायेगा।
- (v) प्रस्तावित मानचित्र और जैविकीय स्त्रोंतों के मुल्यांकन, संरक्षण और पुनर्वासन के लिए पारंपरिक और वैज्ञानिक पद्धतियों का प्रविस्तारण।
- (vi) जैव विविधता विरासत दल (टीम), द्वारा प्रबन्धन योजनाओं (प्लान्ज) के प्रभावी निष्पादन में स्थानीय समुदाय, विभिन्न लाइन विभागों और जिला प्रशासन की भागीदारी सुनिश्चित करना।

5. जैव विविधता विरासतीय स्थल क्षेत्रों से पौधों, जानवरों, सूक्ष्म जीवों की प्रजातियों, का संग्रहण हिमाचल प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड और हिमाचल प्रदेश वन विभाग (हिमाचल प्रदेश सरकार) के मार्गदर्शन के अधीन सम्बद्ध जैव विविधता विरासतीय स्थल समिति (बी एच एस) द्वारा विनियमित किया जाएगा और उक्त घोषित स्थल में किसी अभिलंघन करने पर जैव विविधता अधिनियम, 2002 की सुलंगत धारा (धाराओं) और भारतीय वन अधिनियम, 1927, वन्य प्राणी (संरक्षण) अधिनियम, 1972, वन (संरक्षण) अधिनियम, 1980 और अन्य सम्बन्धित लिखतों के अनुसार कार्यवाही की जाएगी।

6. उपर्युक्त जैव विविधता विरासतीय स्थलों (बी एच एसज) का नक्शा उपाबंध "क" पर सलंगन है।

आदेश द्वारा,

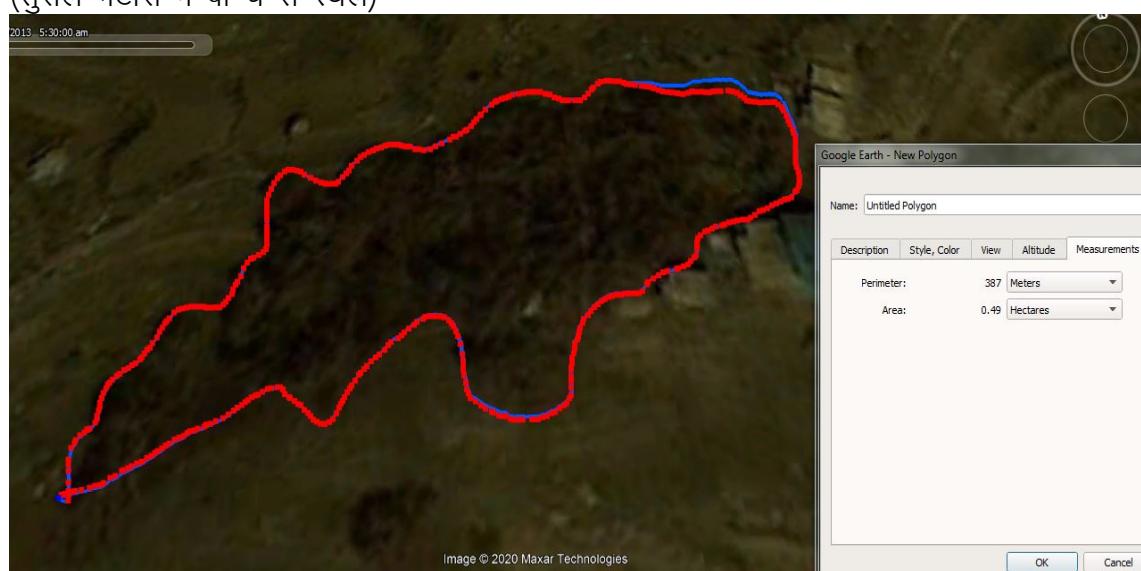
प्रबोध सक्सेना,  
अतिरिक्त मुख्य सचिव (पर्यावरण, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी)।

उपाबन्ध—'क'

(i) सुराल भटोरी, पांगी, जिला चंबा में जैव विविधता विरासत स्थल



(सुराल भटोरी में बी च स स्थल)

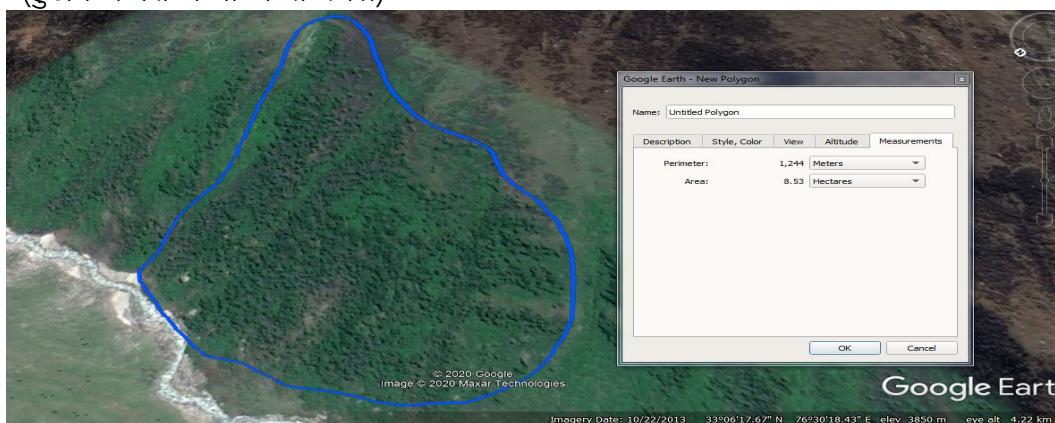


(सुराल भटोरी में बी च स स्थल का गूगल मानचित्र)

- (ii) हुडान भटोरी, जिला चंबा में जैव विविधता विरासत स्थल



(हुडान भटोरी में बी च स स्थल)

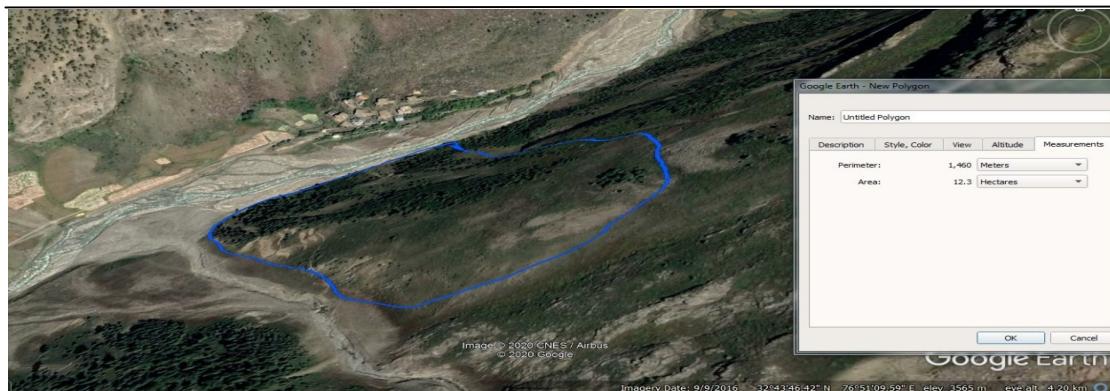


(हुडान भटोरी में बी च स स्थल का गूगल मानचित्र)

- (iii) नैन गाहर, ग्राम पंचायत मूरिंग उप-तहसील उदयपुर, जिला लाहौल एवं स्पिति में जैव विविधता विरासत स्थल



(नैन गाहर में बी च स स्थल)



(नैन गाहर में बी च स रथल का गूगल मानचित्र)

[Authoritative English text of this Department Notification No. STE-A (3)-1/2014-Loose, dated 18-08-2022 as required under clause (3) of Article 348 of the Constitution of India].

## ENVIRONMENT, SCIENCE & TECHNOLOGY DEPARTMENT

### NOTIFICATION

*Shimla-171 002, the 07. 2022*

**No. STE-A(3)-1/2004-loose.**—In exercise of the powers conferred by Section 37 of the Biological Diversity Act, 2002 (Act No. 18 of 2003), read with rule 17 of Himachal Pradesh Biological Diversity Rules, 2019, the Governor, Himachal Pradesh, in consultation with local bodies, is pleased to notify the following areas of biodiversity importance as biodiversity heritage sites:—

- (i) Sural Bhatori, Block Pangi, District Chamba;
  - (ii) Hudan Bhatori, Block Pangi, District Chamba; and
  - (iii) Nain Gahar, GP Mooring, Sub-Tehsil Udaipur, District Lahaul & Spiti.
2. This notification shall apply to the aforesaid areas in following manner:—
- (i) Sacred grove at Sural Bhatori Monastery, Block Pangi, District Chamba;
  - (ii) High altitude meadow at Muhal Dhar Shinkal, Gram Panchayat Hudan Bhatori, Block Pangi, District Chamba, both in Pangi Forest Division; and
  - (iii) Birch-pine forest patch at Nain Gahar village, Gram Panchayat Mooring, Sub-Tehsil Udaipur, District Lahaul & Spiti, in Lahaul Forest Division.
3. Details of sites for declaration as Biodiversity Heritage Sites (BHSs):—

#### 3.1 SACRED GROVE AT SURAL BHATORI MONASTERY

## 3.1.1 Area covered

Particulars of area	Land ownership	Khasra number and area (in Bighas)
Sacred Grove having trees of <i>Betula utilis</i> (Bhojpatra) as main species interspersed with <i>Salix</i> sp. under Sural Bhatori revenue village, Tehsil Pangi, District Chamba.	Owner: Himachal Pradesh Government. Control: Monastery	Khasra No. 291 (Area: 07-15-00)
		Total .. 07-15-00

3.1.2 GPS Coordinates: 33° 08' 48.16" N Latitude and 76° 27' 49.74" E Longitude.

3.1.3 Altitude: About 3400 meters above mean sea level

3.1.4 Uniqueness: A patch of *Betula utilis* or Bhojpatra trees with some interspersed Willow trees. Dominant shrubs and herbs: *Rosa* species, *Lonicera* species, *Sorbus* species, *Agropyron longearistatum*, *Festuca* species, *Primula denticulata*, *Polygonatum verticillatum*, *Plantago asiatica*, *Heracleum candicans*, *Berberis* species, *Artemisia* species, *Bunium persicum* etc. Major faunal species, in the surrounding area: Snow Leopard, Brown Bear, Tibetan Wolf, Ibex etc.

## 3.2 HIGH ALTITUDE MEADOW AT HUDAN BHATORI

## 3.2.1 Area covered:

Particulars of area	Land ownership	Khasra number and area (in Bighas)
High altitude meadow supporting Betula with growth of <i>Rhododendron campanulatum</i> , <i>Jurinea macrocephala</i> etc., under muhal Dhar Shinkal, Gram Panchayat Hudan Bhatori, Tehsil Pangi, District Chamba.	Owner: H.P. Govt. Control: Himachal Pradesh Govt.	Khasra No. 15/9/1 Area: 108-00-00
		Total .. 108-00-00

3.2.2 GPS Coordinates: 33°06'17.67" N Latitude and 76°30'18.43" E Longitude

3.2.3 Altitude: Around 3850 meter above mean sea level

3.2.4 Uniqueness: *Cotoneaster* species, *Lonicera* species, *Sorbus* species, *Brachypodium sylvaticum*, *Bromusasper*, *Festuca* species, *Poa* species, *Primula denticulata*, *Picrorhiza kurroa*, *Anemone* species, *Iris* species, *Artemisia* species, *Lonicera* species, *Bunium persicum*, *Jurinea macrocephala* etc.

Important floral species recorded in the area: *Picrorhiza kurroa*, *Dactylorhiza hatagirea*, *Aconitum heterophyllum*, *Podophyllum hexandrum* and *Saussurea costus* (cultivated). Major faunal species, in the region: Snow Leopard, Brown Bear, Black Bear, Tibetan Wolf, Himalayan Marmot, Ibex and Royle's Pika.

## 3.3 FOREST PATCH AT NAIN GAHAR VILLAGE, AND GP MOORING, SUB-TEHSIL UDAIPUR, LAHAL &amp; SPITI

### 3.3.1 Area covered:

Particulars of area	Land ownership	Khasra number and area (in Bighas)
Birch-pine forest patch situated on left bank of the stream at Nain Gahar village.	Owner: Himachal Pradesh Government. Control: Local community.	No settlement by Revenue Department.
		Total. . 151bighas

3.3.2 GPS Coordinates:  $32^{\circ}43'46''$  N latitude and  $76^{\circ}51'09''$  E longitude.

3.3.3 Altitude: 3400 to 3653 metres above mean sea level.

3.3.4 Uniqueness: Main trees are Himalayan Birch (*Betula utilis*) and Blue Pine (*Pinus wallichiana*). A few middle aged trees of West Himalayan Spruce (*Picea smithiana*), Deodar (*Cedrus deodara*) and Juniper (*Juniperus* species) are interspersed in the proposed patch. Besides, Willow (*Salix* species) and Sea Buckthorn (*Hippophae salicifolia*) are also present in the site.

The proposed site also includes a very good patch of grassy area, which supports a very good population of important medicinal and aromatic plants like *Picrorhiza kurroa*, *Dactylorhiza hatagirea*, *Aconitum heterophyllum*, *Podophyllum hexandrum*, *Aconitum violaceum*, *Bunium persicum*, *Hippophae rhamnoides* etc.

Indirect evidence indicate the presence of important faunal species like Snow Leopard, Himalayan Brown Bear, Asiatic Black Bear, Himalayan Red Fox, Asiatic Ibex, Himalayan Musk Deer and Royle's Pika in suitable season of the year. Threatened bird species, the Himalayan Griffon (*Gyps himalayensis*) and Bearded Vulture (*Gypaetus barbatus*) have also been reported from the area.

According to Trevor, 2019 (unpublished), Nain Gahar's birch forest patch appears to be a point of meeting of Kashmir elements and Himalayan elements of avifaunal species, with at least two bird species forming hybrid zones there, namely, Greenish Warbler (*Phylloscopus trochiloides viridanus* and *Phylloscopus trochiloides plumbeitarsus*) an important ring species, and Variegated Laughing Thrush (*Trochalopteron variegatum*).

4. Management of these Biodiversity Heritage Sites (BHSs) shall be done by the biodiversity heritage site team (As proposed by the related Biodiversity Management Committee, BMC), comprising of members from concerned Biodiversity Management Committee, respective Gram Panchayat, Joint Forest Management Committee (JFMC), Praja, Mahila Mandals and stakeholder departments, as per the following management plan:

- (i) Complete ban on grazing of cattle, sheep, goat etc. in the Biodiversity Heritage Site for 5 years.
- (ii) Complete ban on tree felling and timber extraction for next 5 years
- (iii) Complete ban on extraction of any type of medicinal and aromatic plants from the Biodiversity Heritage Site for next 5 years.
- (iv) Rights and privileges of local people shall be well respected in the management of the Sites.

- (v) Deployment of traditional and scientific methods for valuation, conservation and rehabilitation of proposed landscape and biological resources.
- (vi) Ensuring participation of local community, different line departments and district administration in effective execution of management plans by the Biodiversity Heritage Site team.
5. The collection of the species of plants, animals and microbes from Biodiversity Heritage Site areas shall be regulated by the concerned BHS committee under the guidance of the Himachal Pradesh State Biodiversity Board and the HP Forest Department (Government of Himachal Pradesh) and any infringement on the said declared site shall be dealt by the relevant section (s) of the Biological Diversity Act, 2002 and the Indian Forest Act, 1927, The Wild Life (Protection) Act, 1972; Forest (Conservation) Act, 1980 and other related instruments.
6. Maps of the aforesaid Biodiversity Heritage Sites are at Annexure 'A'.

By order,

PRABODH SAXENA,  
Addl. Chief Secretary (Env. Sci. & Tech.).

ANNEXURE-'A'

I. Biodiversity Heritage Site at Sural Bhatori, Pangi, District Chamba



(BHS Site at Sural Bhatori)

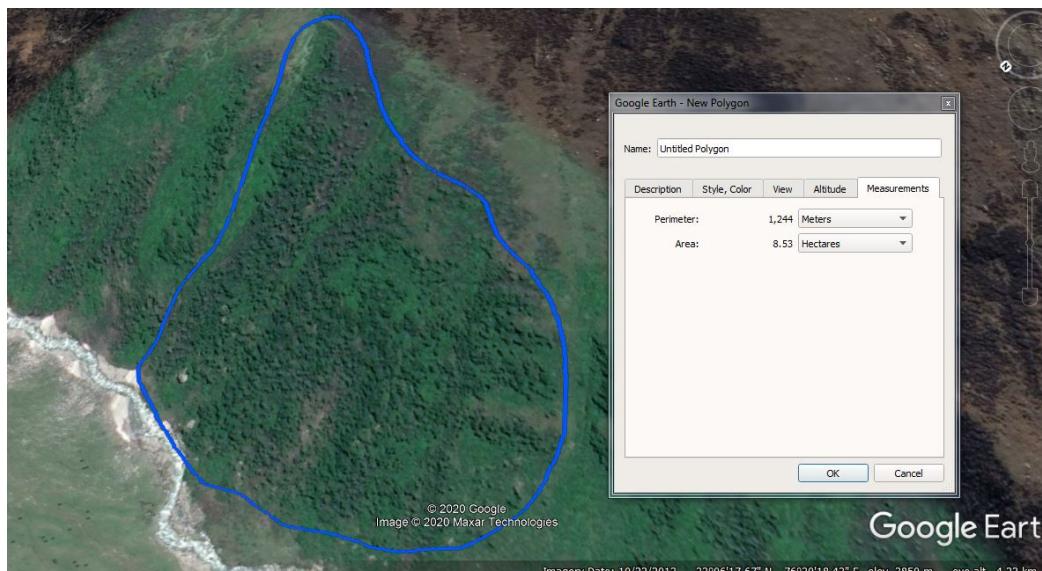


(Google map of BHS site at Sural Bhatori)

II. Biodiversity Heritage Site at Hudan Bhatori, District Chamba



(BHS site at Hudan Bhatori)

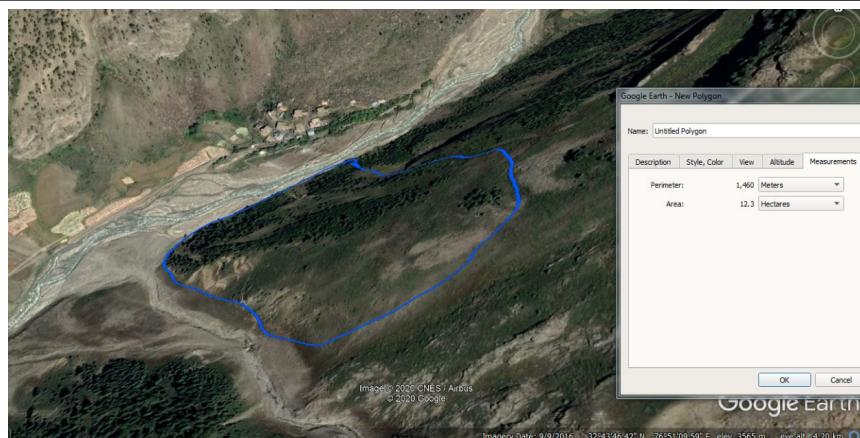


(Google map of BHS site at Hudan Bhatori)

III. Biodiversity Heritage Site at Nain Gahar, GP Mooring, Sub-tehsil Udaipur, District Lahaul & Spiti.



(BHS site at Nain Gahar)



(Google map of BHS site at Nain Gahar)

## राजस्व विभाग

### अधिसूचना

शिमला—02, 10 अगस्त, 2022

**संख्या: राजस्व—डी(ए) 1—3/2022—(सिरमौर).**—हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल की यह राय है कि लोक हित में ऐसा करना आवश्यक और समीचीन है कि जिला सिरमौर, हिमाचल प्रदेश में एक नई उप—तहसील राजपुर सृजित की जाए, ताकि नजदीक के गांवों के लोगों को बेहतर सेवाएं उपलब्ध करवाई जा सके और जिससे उनको होने वाली किसी असुविधा से निवारित किया जा सके तथा बेहतर प्रशासनिक नियंत्रण हो सके;

अतः हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश भू—राजस्व अधिनियम, 1954 (1954 का अधिनियम संख्यांक 6) की धारा 6 और रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का अधिनियम संख्यांक 16) की धारा 5 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, जिला सिरमौर, हिमाचल प्रदेश में तहसील पांवटा साहिब के प्रशासनिक नियंत्रण के अधीन निम्न स्तम्भ संख्या 6 में दर्शाए गए 5 पटवार वृत्तों से गठित एक नई उप—तहसील राजपुर, जिसका मुख्यालय राजपुर में होगा, का तुरन्त प्रभाव से सृजन करते हैं :—

उप—तहसील मुख्यालय का नाम	वर्तमानतः तहसील पांवटा साहिब में सम्मिलित पटवार वृत्तों के नाम	उप—मण्डल का नाम	जिला	नई उप—तहसील में सम्मिलित किए जाने वाले पटवार वृत्त	
1	2	3	4	5	6
राजपुर	राजपुर	पांवटा साहिब तारुवाला देवीनगर गोंदपुर अजोली छछेती	पांवटा साहिब	सिरमौर	बनोर शिवा रुदाना तोरुभैला राजपुर डांडा